नमूना पंजीकरण प्रणाली (SRS) सांख्यिकीय रिपोर्ट 2021

चर्चा में क्यों?

भारत के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा जारी **नमूना पंजीकरण प्रणाली (SRS) सांख्यिकीय रिपोर्ट 2021** के अनुसार, उत्तराखंड वर्ष 2016 से 2021 की अवधि के दौरान **जन्म दर** में वृद्धि दर्ज करने वाला एकमात्र राज्य था।

- **यह प्रवृत्ति शहरीकरण**, बेहतर **स्वास्थ्य सेवा** और महिला शिक्षा जैसे कारकों से प्रेरित उन्नत जनसांख्यिकीय परिवर्तन को इंगित करती है।

मुख्य बिंदु

रिपोर्ट के बारे में:

- SRS **भारत का सबसे बड़ा** जनसांख्यिकीय सर्वेक्षण **है,** जिसे जन्म और मृत्यु दर जैसे प्रजनन और **मृत्यु दर संकेतकों का वार्षिक अनुमान प्रदान करने के लिये डिज़ाइन किया गया है।**
- 2021 SRS, दशकीय जनगणना से प्राप्त महत्त्वपूर्ण जनसंख्या प्रवृत्ति अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, जो 2021 के लिये अभी तक आयोजित नहीं की गई है।

अशोधित जन्म दर:

- अशोधित जन्म दर वर्ष के दौरान होने वाले जीवित जन्मों की संख्या को दर्शाती है, जिसका अनुमान मध्य वर्ष में प्रति 1,000 जनसंख्या पर लगाया जाता है।
- भारत की अशोधित जन्म दर 2021 में 19.3 थी, जो 2016 से 2021 तक सालाना 1.12% की दर से घट रही है।
- इसी अवधि के दौरान तमिलनाडु, दिल्ली और केरल में क्रमशः 2.35%, 2.23% और 2.05% प्रति वर्ष की दर से तीव्र गिरावट देखी गई।
- जन्म दर में सबसे **कम गिरावट** राजस्थान (0.48%), बिहार (0.86%), छत्तीसगढ़ (0.98%), झारखंड (0.98%), असम (1.05%), मध्य प्रदेश (1.05%), पश्चिम बंगाल (1.08%) और उत्तर प्रदेश (1.09%) में हुई।
- आंध्र प्रदेश (1.26%), तेलंगाना (1.67%) और कर्नाटक (1.68%) सहित अन्य दक्षिणी राज्यों में भी **औसत से अधिक तीव्र गिरावट दर्ज की गई।**
- संपूर्ण दक्षिणी क्षेत्र में परिवार का आकार छोटा होता जा रहा है तथा जनसंख्या वृद्धि स्थिर हो रही है।

कुल प्रजनन दर (TFR) :

- कुल प्रजनन दर (TFR) एक महिला द्वारा अपने प्रजनन वर्षों के दौरान अपेक्षित बच्चों की औसत संख्या को दर्शाती है।
- **वर्ष 2021 में, भारत की TFR 2.0 थी, जिसमें बिहार में 3.0 की उच्च TFR, उत्तर प्रदेश में 2.7, मध्य प्रदेश में 2.6 और राजस्थान में 2.4 थी।**

सकल प्रजनन दर (GRR):

- भारत के लिये GRR 1 है, जिसका अर्थ है कि औसतन भारत में प्रत्येक महिला की एक बेटी होती है, जो प्रजनन आयु तक जीवित रहती है और उसके अपने बच्चे होते हैं।
    - इसके विपरीत, बिहार (1.4), उत्तर प्रदेश (1.3), राजस्थान (1.2) और मध्य प्रदेश (1.2) में उच्च GRR दर्ज की गई।

जन्म पंजीकरण प्रवृत्ति और डाटा अंतर्दृष्टि: नागरिक **पंजीकरण प्रणाली (CRS) 2021 के आंकड़ों से पता चलता है कि जन्म दर में सबसे कम गिरावट** वाले राज्यों में **पंजीकृत जन्मों में** भी वृद्धि दर्ज की गई है, जिनमें शामिल हैं:

- बिहार, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, जम्मू-कश्मीर, आदि।
- तेलंगाना में **2019 के बाद पंजीकृत जन्मों में तीव्र वृद्धि देखी गई,** जिसके बाद **2020 के बाद इसमें गिरावट आई।**

उत्तराखंड में महिला कल्याण से संबंधित योजनाएँ

- **मुख्यमंत्री महालक्ष्मी कवच योजना:** यह योजना महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रथम बार बनी माताओं और उनकी बेटियों को सामाजिक सुरक्षा सहायता प्रदान करने के लिये शुरू की गई थी।
- **नंदा गौरा योजना:** लड़कियों को जन्म से लेकर शादी तक उनकी शिक्षा और सशक्तीकरण के लिये वित्तीय सहायता प्रदान करती है, जिसका उद्देश्य उत्तराखंड के पात्र निवासियों के बीच **कन्या भ्रूण हत्या, बाल विवाह** और सामाजिक असमानता को रोकना है।
- **मातृत्व लाभ योजना (UKBOCWWB):** यह पंजीकृत महिला श्रमिकों को उनकी मातृत्व अवधि के दौरान 10,000 रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान करती है।
- **मुख्यमंत्री महिला पोषण योजना: यह कुपोषण से** निपटने और मातृ स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिये गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को पौष्टिक खाद्य पूरक प्रदान करती है।

भारत के महापंजीयक

- **गृह मंत्रालय** के अधीन वर्ष 1949 में स्थापित RGI, **भारत की दशकीय जनगणना** और **भारतीय भाषाई सर्वेक्षण** सहित जनसंख्या डाटा संग्रह की देखरेख के लिये ज़िम्मेदार है।
- RGI **RBD अधिनियम, 1969** के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करता है और निरंतर जन्म और मृत्यु पंजीकरण के लिये **CRS** का प्रबंधन करता है।
    - यह सभी सामान्य निवासियों के जनसांख्यिकीय विवरण दर्ज करने के लिये **राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (NPR)** का भी रखरखाव करता है।
- RGI का नेतृत्व एक वरिष्ठ सिविल सेवक करता है, जो आमतौर पर **संयुक्त सचिव स्तर** का होता है, RGI जनसांख्यिकीय योजना और नीति निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/sample-registration-system-srs-statistical-report-2021